No. of Printed Pages : 2

ई.एच.डी.-3

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

03695

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-3 : हिन्दी-साहित्य का इतिहास एवं साहित्य-परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. काव्य में अलंकार का महत्त्व स्पष्ट करते हुए शब्दालंकार के प्रमुख भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए । *20*

अथवा

विभिन्न विद्वानों द्वारा साहित्य की निर्धारित की गई परिभाषाओं के आलोक में 'साहित्य' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

काव्य सृजन के संदर्भ में कल्पना का स्वरूप और विशेषताएँ बताइए ।

IGNOU ASSIGNMENT GURU

2. साहित्येतिहास लेखन की विभिन्न पद्धतियों का उल्लेख करते हुए हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा पर प्रकाश डालिए। *20*

3. 'आदिकालीन' हिन्दी-साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। *20*

4. भक्ति काव्य की दार्शनिक विचारधाराओं का उल्लेख कीजिए। *20*

5. निर्गुण काव्य धारा की विशेषताएँ बताइए। *20*

6. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए। *20*

7. भारतेन्दु युगीन हिन्दी-साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। *20*

8. छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए। *20*

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

   (क) हिन्दी-साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन

   (ख) राम काव्य

   (ग) प्रमुख छायावादी कवि

   (घ) भारतेन्दु युगीन नाटक

   (ङ) हिन्दी-साहित्य की प्रमुख कथेतर विधाएँ

IGNOU ASSIGNMENT GURU